

सांसे हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगायें हम

शाश्वत कृषि और वानिकी तंत्र अपनाए।
बेहतर तथा समृद्ध भविष्य पाए।

अनोखी विपणन प्रणाली: कंपनी की हरितगृहों से पौधे सीधे आपके खेत पर पहुँचाए जाते हैं।
कोई अतिरिक्त परिवहल शुल्क नहीं लिया जाता।



(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

www.kaushalkisangroup.com



नियमित रूप से प्रयासरत व कुछ नया करने की द्रढ़ इच्छा शक्ति के साथ कौशल किसान संस्था लेकर आयी है।

चन्दन



चन्दन

1. यह पौधा मनमोहक सुगंध के रूप में जाना जाता है।
2. विश्व में इसकी लकड़ी सबसे अच्छी मानी जाती है।
3. अन्य देशों की तुलना में भारत में पाये जाने वाले चंदन के पेड़ों में खुशबु और तेल का अनुपात (1% से 6%) सबसे ज्यादा है।
4. यही कारण है कि अन्तराष्ट्रीय बाजार में भारतीय चंदन की बहुत बड़ी मांग है।
5. भारत में चंदन की रसदार लकड़ी की कीमत लगभग 5000 से 12000 रुपये प्रति किलो है। तथा बारीक लकड़ी 800 रुपये प्रति किलो है।

उपयोगी भाग – लकड़ी, बीज, जड़ और तेल

उपयोग-

1. चंदन का उपयोग तेल, इत्र, धूप, औषधी और सौन्दर्य प्रसाधन के निर्माण में और नक्काशी में किया जाता है।
2. चंदन तेल, चंदन पाउडर, चंदन साबुन, चंदन इत्र आदि उपयोगी उत्पाद है।
3. अर्द्ध सर पीड़ा में चंदन का पेस्ट या तेल का उपयोग नाक में लगाकर आराम प्राप्त करने के लिए किया जाता है।
4. चंदन की लकड़ी का पेस्ट जलन होने पर, फोड़े में और त्वचा संबंधी रोगों में किया जाता है।

भूमि की तैयारी

1. उचित जल की व्यवस्था हो तो साल में कभी भी लगाया जा सकता है।
2. पेड़ लगाने से पहले गहरी जुताई की आवश्यकता होती है।
3. 2-3 बार जोतकर मिट्टी क्षमता को बढ़ाया जाता है।
4. 1x1x1 फीट का गड्ढा होना चाहिए।
5. 8x8 फीट की दुरी पर पौधे लगाएं। इस प्रकार एक-एक एकड़ में 435 पौधे लगाए जा सकते हैं।

कटाई तुड़ाई, फसल कटाई का समय

1. चंदन की जड़े भी सुगंधित होती है। इसलिए वृक्ष को काटा नहीं जाता जड़ से उखाड़ा जाता है।
2. चौथे साल से रसदार लकड़ी बनना शुरू होती है।
3. चंदन की लकड़ी में दो भाग होते हैं। रसदार लकड़ी, सुखी लकड़ी
4. जब वृक्ष 10-12 साल पुराना हो जाता है तब लकड़ी प्राप्त होती है। और पेड़ के जीवन पर्यन्त प्राप्त होती रहती है।

रिटर्न (आमदनी) एक नजर में

10 से 12 साल बाद जमीन से 5 फीट ऊपर तने का घेरा 80 से.मी. हो तो उस चंदन के पेड़ से 20 से 35 किलो रसदार लकड़ी मिल सकती है। आज का मार्केट रेट प्रति किलो रु. 6000 से 12000 है।

10-12 साल बाद का रु. 6000 रेट भी मानते हैं। और रसदार लकड़ी 20 किलो भी मिलती है तो 1 पेड़ से रु. 1,20,000 मिल सकते हैं, 1 एकड़ से $400 \times 1,20,000 = 4,80,00,000$ (चार करोड़ अस्सी लाख रुपये) प्रति एकड़ केवल रसदार लकड़ी से मिल सकते हैं।



(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

चन्दन की खेती

औषधीय एवं वाणिज्यिक फसलों में चन्दन एक ऐसा पेड़ है जिसकी लकड़ी भारतीय संस्कृति तथा सभ्यता से जुड़ी हुई है। अगर बात हिन्दू धर्म में पूजा - पथ की हो तो और भी महत्व बढ़ जाता है। ऐसा कोई घर नहीं है जिसके पास चन्दन की लकड़ी नहीं है। इसकी महत्ता यहीं तक सिमित नहीं है बल्कि इसकी लकड़ी से औषधीय तथा सुगन्धित इत्र बनाया जाता है इसलिए इसकी मांग देश ही नहीं बल्कि पुरे विश्व में मौजूद है। उत्पादन कम रहने के कारण चन्दन की लकड़ी की कीमत बहुत ज्यादा है। वर्तमान समय में भारत में 7,000 से 8,000 टन प्रति वर्ष लकड़ी खपत है लेकिन उपलब्धता मात्र 100 टन तक ही है। जिसके कारण इसकी कीमत 5000 से लेकर 12,000 रुपए प्रति किलो है।

www.kaushalkisangroup.com





(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

चन्दन की खेती कैसे करें ?

खेती के लिए मिट्टी के साथ पौधे का चुनाव करना महत्वपूर्ण रहता है। सफ़ेद चन्दन की 375 पौधे एक एकड़ खेत में लगाया जा सकता है। चन्दन की पौधों में ज्यादा पानी नहीं लगना चाहिए इसके लिए खेत में मेड बनाकर रोपाई करना चाहिए। इसके लिए मेड से मेड की दुरी 10 फुट होना चाहिए तथा मेड के ऊपर पौधे से पौधे की दुरी 12 फुट की होनी चाहिए।





(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम



चन्दन की खेती से जुड़े कुछ अफवाह के बारे में जानना जरूरी है।

इसकी खेती करने वाले किसानों में एक भ्रांतियां रहती है की इसकी खेती करने के लिए सरकार से लाईसेंस लेने की जरूरत पड़ती है। चन्दन की खेती के लिए किसी भी तरह का कोई लाईसेंस लेने की जरूरत नहीं है। केवल पेड़ की कटाई के समय राज्य वन विभाग से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लेना होगा जो आसानी से मिल जाता है और यह सभी तरह के पौधे में काटने से पहले लेना होता है।



KAUSHAL KISAN GROUP OF COMPANIES



(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम



तने की नरम लकड़ी तथा जड़ को जड़, कंदा, बुरादा, तथा छिलका और छीलन में विभक्त करके बेचा जाता है। इसकी लकड़ी का उपयोग मूर्तिकला, तथा साजसज्जा के सामान बनाने में और अन्य उत्पादनों का अगरबत्ती, हवन सामग्री, तथा सौगंधिक तेज के निर्माण में होता है। आसवन द्वारा सुगंधित तेल निकाला जाता है। प्रत्येक वर्ष लगभग 3,000 मीट्रिक टन चंदन की लकड़ी से तेल निकाला जाता है। एक मीट्रिक टन लकड़ी से 47 से लेकर 50 किलोग्राम तक चंदन का तेल प्राप्त होता है। रसायनज्ञ इस तेल के सुगंधित तत्व को सांश्लेषिक रीति से प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं।

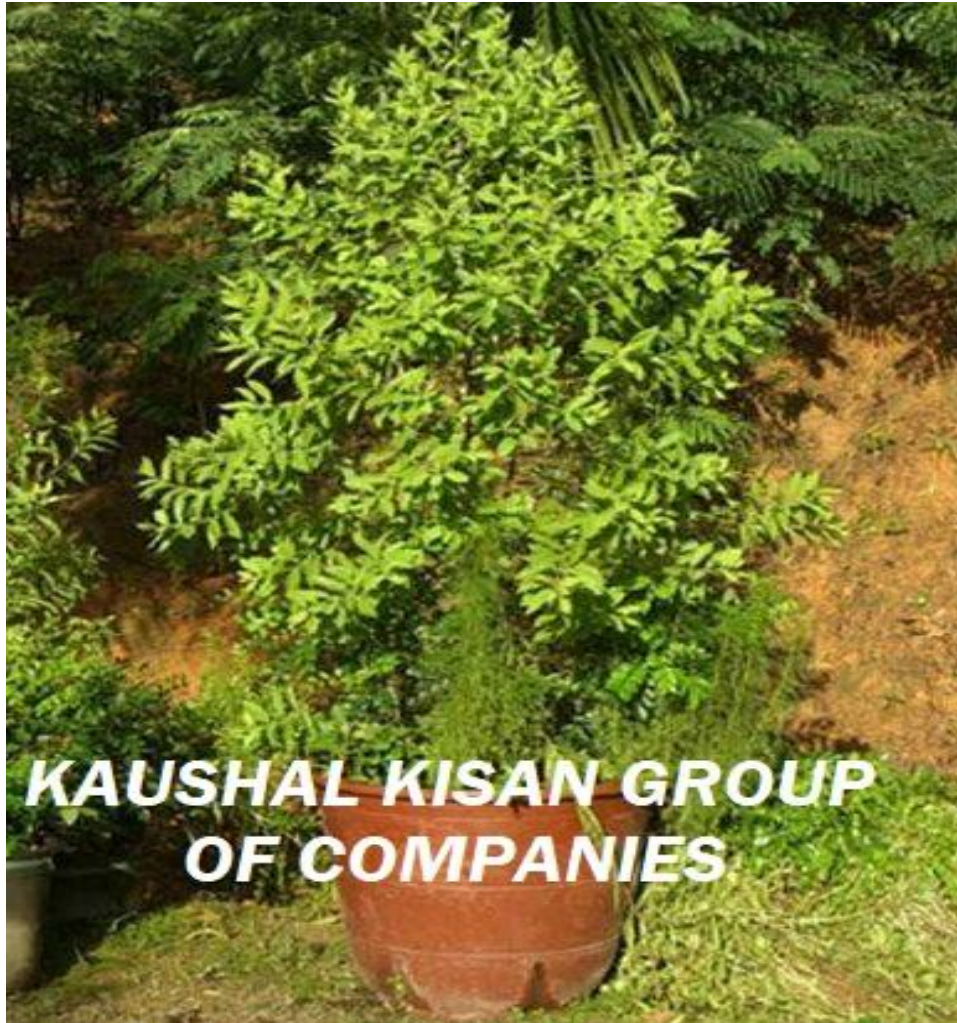


www.kaushalkisangroup.com



(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम



**KAUSHAL KISAN GROUP
OF COMPANIES**



**KAUSHAL KISAN GROUP OF
COMPANIES**

www.kaushalkisangroup.com



(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

हमारी कम्पनी द्वारा किसानों को मुफ्त में दी जाने वाली सेवाएं :-

➤ पौधों को किसानों के घर या खेत तक पहुंचाने के लिए मुफ्त वाहन सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है।

➤ क्षतिग्रस्त पौधों की प्रतिस्थापना। यह सुविधा सिर्फ एक बार के प्रतिस्थापन के लिए होती है।

➤ २ साल तक कंपनी के कर्मचारियों द्वारा समय समय पर देखभाल की सुविधा दी जाती है।

➤ किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए हमारे प्रतिनिधियों से मुफ्त तकनीकी सेवा फ़ोन द्वारा या ब्यक्तिगत रूप में ले सकते हैं

➤ किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए कम्पनी का टोल फ्री नंबर उपलब्ध है -18001236246



www.kaushalkisangroup.com



(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

Corp. Office : H.No. 265, Opp.Tejaji Ka Mandir,

Khedli Phatak, Kota Raj. - 324001 | Ph.: 0744 2323168

Branch Office : Plot.No. 194, R K Business Centre, Near, Shivaji Nagar, Nagpur, Maharashtra - 440010

Branch Office : Malaviya Chowk, Wing - B, 7th Floor, Office No. 5, Gondal Road, Rajkot (GUG)

Branch Office : Near Agarwal Dharamshala, Sec. 11, Hiran Mangri, Udaipur Rajasthan - 313001

Toll Free No. 18001236246 | Website : www.kaushalkisan.com | www.navjeevanbio.com